Indira Gandhi National Open University

Regional Centre, 5-C/INS-1, Sector-5, Vrindavan Yojna, Telibagh, Lucknow - 226 024

Report on Awareness Workshop to Promote Certificate & Diploma in Disaster Management Programme of IGNOU

Brief Report on Workshop Organized for Promotion of IGNOU Programmes at Balrampur Sugar Mills. IGNOU Regional Center Lucknow in collaboration with IGNOU Learner Support Centre – 2781, M.L.K. P.G. College, Balrampur organized an **Awareness Workshop to Promote Certificate & Diploma in Disaster Management Programme of IGNOU** on Saturday, 24th February, 2024 at Balrampur Sugar Mill. **Dr. Kirti Vikram Singh**, Assistant Regional Director informed in details about the eligibility and benefits that staff and officials of Sugar Mill can get come after completing the programme.

Sri Sachin Madan, Disaster Management Expert (IGNOU Alumni) gave a presentation on Industrial Disaster and its management. **Dr. Alok Shukla**, Coordinator, IGNOU Learner Support Centre – 2781, M.L.K. P.G. College, Balrampur informed in details about the programmes offered at IGNOU LSC. **Shri Rajiv Agarwal**, General Manager, Balrampur Sugar Mill praised the efforts taken by IGNOU.

Few Press Clippings:

बलरामपुर/संतकबीरनगर

अयोध्या, सोमवार, 26 फरवरी 2024

13

आपदा से पूर्व प्रशिक्षण को परखने पर दिया जोर

बलरामपुर, अमृत विचार। इग्नू व बलरामपुर चीनी मिल के संयुक्त तत्वावधान में परिचर्चा का आयोजन रविवार को किया गया। जिसमें मुख्य रूप से आपदा प्रबंधन से सम्बन्धित विषयों की जानकारी मिल के सुरक्षा व अन्य कर्मियों को दी गई। कार्यक्रम में इग्नू डायरेक्टर कीर्ति विक्रम सिंह ने इग्नू में चल रहे कोर्सेस की जानकारी दी।

मुख्य वक्ता पूर्व आपदा प्रबंधन सलाहकार सचिन मदान ने औद्योगिक आपदा के सम्बन्ध में प्रकाश डाला। इन्दिरा गांधी मुक्त विश्व विद्यालय अपने अध्ययन केन्द्र एमएलके पीजी कॉलेज के माध्यम से कई कोर्सेस का संचालन कर रहा है। इग्नू डायरेक्टर कीर्ति विक्रम सिंह ने बताया कि चीनी मिल व अन्य औद्योगिक संस्थानों में काम करने वाले कर्मियों को आपदा प्रबंधन के प्रशिक्षण की महती आवश्यकता होती है। ऐसे में इग्नू द्वारा संचालित कोर्सेस उनके लिए वरदान साबित हो सकते हैं। इग्नू में किसी भी संस्थान में कार्यरत लोग अपनी शिक्षा पूरी कर सकते हैं। आपदा प्रबंधन का कोर्स भी उनमें से एक है। पूर्व जिला आपदा प्रबंधन सलाहकार सचिन मदान ने कहा कि औद्योगिक आपदा मानव जनित आपदा का रूप है। इस आपदा के न्यूनीकरण के लिए पहले से प्लान बनाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि भारत में घटी भोपाल गैस त्रासदी सबसे बड़ी औद्योगिक आपदा है। जिसमें मेथिल आइसो साइनाइट गैस का रिसाव हुआ था। जिससे हजारों लोग मारे गए थे। फैक्ट्री में प्रयोग होने वाले रसायन व उसके नुकसान के सम्बन्ध में कर्मियों तथा आस पास रहने वाले लोगों को कोई जानकारी नहीं थी। मुंह पर गीला कपड़ा रखकर लोग अपनी जान बचा सकते थे। इसी प्रकार की जान बचाने वाली जानकारियां प्रसारित करना आपदा प्रबंधन प्लान का हिस्सा होता है। उन्होंने आपदा से पूर्व प्रशिक्षण व तैयारियों को परखने पर जोर दिया। प्रशिक्षण के माध्यम से आपदा जोखिम को कम किया जा सकता है। उन्होंने आद्योगिक आपदा के समय क्या करना चाहिए इसके बारे में भी कर्मियों को जानकारी दी। इग्नू अध्ययन केन्द्र के कोआर्डिनेटर डा. आलोक शुक्ला ने इग्नू से छात्रों को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी।

चीनी मिल कर्मियों को दी गयी आपदा प्रबंधन से सम्बन्धित विषयों की जानकारी

बलरामपुर चीनी मिल में आयोजित बैठक में शामिल पदाधिकारी व कर्मचारी। अमृत विचार

परिचर्चा | इग्नू व बलरामपुर चीनी मिल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ कार्यक्रम, इग्नू डायरेक्टर बोले - विश्वविद्यालय से कोर्सेस कर कर्मी बढ़ा सकते हैं क्षमता

सुरक्षा कर्मचारियों ने सीखे औद्योगिक आपदा से बचने के गुर

बलरामपुर, संवाददाता। इग्नू व बलरामपुर चीनी मिल के संयुक्त तत्वावधान में परिचर्चा का आयोजन रविवार को किया गया, जिसमें मुख्य रूप से आपदा प्रबंधन से सम्बन्धित विषयों की जानकारी मिल के सुरक्षा व अन्य कर्मियों को दी गई। कार्यक्रम में इग्नू डायरेक्टर कीर्ति विक्रम सिंह ने इग्नू में चल रहे कोर्सेस की जानकारी दी। जबकि मुख्य वक्ता पूर्व आपदा प्रबंधन सलाहकार सचिन मदान ने औद्योगिक आपदा के सम्बन्ध में प्रकाश डाला।

इन्दिरा गांधी मुक्त विश्व विद्यालय अपने अध्ययन केन्द्र एमएलके पीजी कॉलेज के माध्यम से कई कोर्सेस का संचालन कर रहा है। इग्नू डायरेक्टर कीर्ति विक्रम सिंह ने बताया कि चीनी मिल तथा अन्य औद्योगिक संस्थानों में काम करने वाले कर्मियों को आपदा प्रबंधन के प्रशिक्षण की महती आवश्यकता होती है। ऐसे में इग्नू द्वारा संचालित कोर्सेस उनके लिए वरदान साबित हो सकते हैं। इग्नू में किसी भी संस्थान में कार्यरत लोग अपनी शिक्षा पूरी कर सकते हैं। आपदा प्रबंधन का कोर्स भी उनमें से एक है। पूर्व जिला आपदा प्रबंधन सलाहकार सचिन मदान ने कहा कि औद्योगिक आपदा मानव जनित आपदा का रूप है। इस आपदा के न्यूनीकरण के लिए पहले से प्लान बनाना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि भारत में घटी भोपाल गैस त्रासदी सबसे बड़ी औद्योगिक आपदा है। जिसमें मेथिल आइसो साइनाइट गैस का रिसाव हुआ था। जिससे हजारों लोग मारे गए थे। फैक्ट्री में प्रयोग होने वाले रसायन व उसके नुकसान के सम्बन्ध में कर्मियों तथा आस पास रहने वाले लोगों को कोई जानकारी नहीं थी। मुंह पर गीला कपड़ा रखकर लोग अपनी जान बचा सकते थे। इसी प्रकार की जान बचाने वाली जानकारियां प्रसारित करना आपदा प्रबंधन प्लान का हिस्सा होता है।

उन्होंने आपदा से पूर्व प्रशिक्षण व तैयारियों को परखने पर जोर दिया। प्रशिक्षण के माध्यम से आपदा जोखिम को कम किया जा सकता है। उन्होंने आद्योगिक आपदा के समय क्या करना चाहिए इसके बारे में भी कर्मियों को जानकारी दी। इग्नू अध्ययन केन्द्र के कोआर्डिनेटर डा. आलोक शुक्ला ने इग्नू से छात्रों को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इंटरमीडियट के बाद एससीएसटी छात्रों को इग्नू मुफ्त शिक्षा देता है। उनसे सिर्फ रजिस्ट्रेशन फीस ली जाती है। बलरामपुर चीनी मिल के जीएम कार्मिक राजीव अग्रवाल ने इग्नू के अधिकारियों व मुख्य वक्ता को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने बताया कि मिल आपदा प्रबंधन से सम्बन्धित सभी उपायों को लागू करती है तथा समय-समय पर कर्मियों को इसके लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

परिचर्चा कार्यक्रम में मौजूद इग्नू डायरेक्टर व अन्य।

'प्रशिक्षण से कम किया जा सकता है आपदा का जोखिम'

जासं, बलरामपुर : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय व बलरामपुर चीनी मिल के संयुक्त तत्वावधान में परिचर्चा का आयोजन रविवार को किया गया। इसमें आपदा प्रबंधन से संबंधित विषयों की जानकारी मिल कर्मियों को दी गई। इग्नू के निदेशक डा. कीर्ति विक्रम सिंह ने पाठ्यक्रमों के विषय के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पूर्व जिला आपदा प्रबंधन सलाहकार सचिन मदान ने कहा कि औद्योगिक आपदा मानव जनित आपदा का रूप है। इस आपदा के न्यूनीकरण के लिए पहले से प्लान बनाना आवश्यक है। कहा कि भारत में घटी भोपाल गैस त्रासदी सबसे बड़ी औद्योगिक आपदा है। इसमें मेथिल आइसो साइनाइट गैस का रिसाव होने से हजारों लोग मारे गए थे। फैक्ट्री में प्रयोग होने वाले रसायन व उसके नुकसान के संबंध में कर्मियों व आसपास रहने वाले लोगों को जानकारी नहीं थी। मुंह पर गीला कपड़ा रखकर लोग अपनी जान बचा सकते थे। इसी प्रकार की जान बचाने वाली जानकारियां प्रसारित करना आपदा प्रबंधन प्लान का हिस्सा होता है। प्रशिक्षण के माध्यम से आपदा जोखिम को कम किया जा सकता है।

आपदा से बचाव की तैयारियां परखने पर जोर

संवाद न्यूज एजेंसी

बलरामपुर। इग्नू व बलरामपुर चीनी मिल की तरफ से रविवार को आपदा प्रबंधन से संबंधित गोष्ठी का आयोजन किया गया। चीनी मिल सभागार में आयोजित गोष्ठी के माध्यम से चीनी मिल कर्मियों को आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक करते हुए बचाव की जानकारी दी गई।

पूर्व आपदा प्रबंधन सलाहकार सचिन मदान ने बताया कि औद्योगिक आपदा मानव जनित आपदा का रूप है। इस आपदा को कम करने के लिए पहले से प्लान बनाना आवश्यक है। फैक्टरी में प्रयोग होने वाले रसायन और उसके नुकसान के संबंध में कर्मियों और आसपास के लोगों को जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने आपदा से पहले प्रशिक्षण व तैयारियों को परखने पर जोर दिया। औद्योगिक आपदा के समय क्या करना चाहिए, इसके बारे में कर्मियों को जानकारी दी।

इग्नू डायरेक्टर कीर्ति विक्रम सिंह ने कहा कि चीनी मिल या अन्य औद्योगिक इकाइयों में काम करने वाले कर्मचारियों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण जरूरी लेना चाहिए। चीनी मिल के जीएम कार्मिक राजीव अग्रवाल ने इग्नू के अधिकारियों और पूर्व आपदा प्रबंधक का आभार जताया।

गोष्ठी में मौजूद चीनी मिल के अधिकारी व कर्मी। -फोटो: सचिन मदान

- Senior Regional Director